

बाबा साहेब को राज्यपाल की भावभीनी श्रद्धांजलि

लखनऊ: 06 दिसम्बर, 2014

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल, श्री राम नाईक ने बाबा साहेब डा० बी०आर० अम्बेडकर के परिनिर्वाण दिवस पर भारतरत्न बोधित्सव डा० भीमराव अम्बेडकर महासभा द्वारा आयोजित श्रद्धांजलि सभा में बाबा साहेब के अस्थि क्लश व प्रतिमा पर माल्यार्पण कर अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। राज्यपाल ने इस अवसर पर डा० सुकेश राजन को उद्यमिता विकास के लिये तथा सुश्री साक्षी विद्यार्थी को संघर्ष एवं बहादुरी के लिये 'डा० अम्बेडकर रत्न सम्मान' देकर सम्मानित किया।

राज्यपाल ने अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि 'मैंने बाबा साहेब को देखा भी सुना भी है। वे अपनी बात बड़ी बुद्धिमता से रखते थे। संविधान का निर्माण आसान नहीं था। बाबा साहेब ने संविधान सभा में अलग-अलग विचार रखने वालों से समन्वय करके संविधान बनाया। बाबा साहेब ने दलित एवं वंचित समाज को बहुत कुछ दिया लेकिन यह भी सच है कि उन्होंने देश को ऐसा संविधान दिया जो अभूतपूर्व है। राज्यपाल ने कहा कि बाबा साहेब ने देश के हर वर्ग को बहुत कुछ दिया है ऐसे महामानव को श्रद्धांजलि देना हम सबका कर्तव्य है।

श्री नाईक ने कहा कि बाबा साहेब ने समाज को संगठित रहने, शिक्षा ग्रहण करने व संघर्ष करने का जो संदेश दिया इससे समाज में परिवर्तन आया है। डा० अम्बेडकर ने जो चैतन्य पैदा की वह मुश्किल काम था। वे देश के प्रति समर्पित, मेधावी एवं प्रखर विचारक के थे, जिन्होंने समाज को संगठित करके आगे लाने का काम किया।

राज्यपाल ने कहा कि डा० अम्बेडकर ने संविधान में मताधिकार देकर जनतंत्र में समानता का अधिकार दिया। उनके प्रति उनके विचारों की पूजा सच्ची श्रद्धांजलि होगी। हम सब देश को आगे ले जाने का योग्य तरीके से संकल्प लें और अगले साल यह मूल्यांकन करें कि संकल्प कितना पूरा हुआ। उन्होंने कहा कि मुम्बई में चैतन्य भूमि जब से बनी है, हर साल जाकर बाबा साहेब को अपनी श्रद्धांजलि देते आये हैं।

अम्बेडकर महासभा के अध्यक्ष, श्री लालजी प्रसाद निर्मल ने बताया कि बाबा साहेब का अस्थि क्लश उनकी पत्नी श्रीमती सविता अम्बेडकर ने दिया था तथा कार्यालय स्थित बौधि वृक्ष को पूर्व राष्ट्रपति स्व० के० आर० नारायणन ने रोपित किया था।

कार्यक्रम में अन्य लोगों ने भी अपने विचार व्यक्त किये।





